पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

————

राज्यपाल ने कराया उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजभवन से कक्षा 08 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का कक्षा 09 में दाखिला

————

विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें बैग एवं स्टेशनरी सामग्री की गई वितरित

————

ये बच्चे ऐसे परिवारों से आते हैं, जिनके अभिभावक आर्थिक कठिनाइयों के कारण आगे की पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ थे

————

कोई भी सफलता अचानक नहीं मिलती, उसके पीछे गहन परिश्रम, समर्पण और धैर्य होता है

————

परिस्थितियाँ चाहे जितनी भी विपरीत हों, यदि मन में सीखने की ललक और आगे बढ़ने का जज्बा हो, तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं

————

दृढ़ संकल्प, परिश्रम और समय का सही प्रयोग हमें जीवन में सफलता की ओर ले जाता है

————

बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीखने और आत्म विकास का अवसर प्राप्त हो

————

शिक्षा ही वह साधन है, जो एक बच्चे को आत्मनिर्भर, जागरूक और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बना सकती है

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————

लखनऊ : 21 अप्रैल, 2025

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा से राजभवन परिसर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजभवन के उन बच्चों, जिन्होंने कक्षा 08 उत्तीर्ण की है, का दाखिला कक्षा 09 में कराया गया है। इन सभी 12 बच्चों को राज्यपाल जी ने स्वयं स्कूल बैग और स्टेशनरी सामग्री प्रदान की। ये बच्चे ऐसे परिवारों से आते हैं, जिनके अभिभावक आर्थिक कठिनाइयों के कारण आगे की पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ थे। राज्यपाल जी ने व्यक्तिगत रुचि लेकर इन बच्चों के भविष्य को संवारने का कार्य किया और उन्हें पास के स्कूलों में कक्षा 9 में दाखिला दिलाया। यह पहल राज्यपाल जी की उस दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत वे शिक्षा के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने उद्बोधन में सभी बच्चों को कक्षा 9 में प्रवेश पाने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता बच्चों की मेहनत और उनके अध्यापकों के सही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने अध्यापकों की सराहना करते हुए कहा कि समाज निर्माण में अध्यापकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

नामांकन से पूर्व ये सभी 12 बच्चे नए स्कूल में प्रवेश को लेकर थोड़े चिंतित थे, उन्हें प्रोत्साहित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए, कुछ अच्छा करने के लिए, दूसरे स्कूल में जाना ही पड़ता है। उन्होंने बच्चों को आश्वस्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी उन्हें अनेक नई–नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें आत्मविश्वास, हिम्मत और कौशल से पार करना होगा। कठिनाइयाँ जीवन का हिस्सा हैं, और कोई भी सफलता अचानक नहीं मिलती, उसके पीछे गहन

परिश्रम, समर्पण और धैर्य होता है। उन्होंने बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन में कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। परिस्थितियाँ चाहे जितनी भी विपरीत हों, यदि मन में सीखने की ललक और आगे बढ़ने का जज्बा हो, तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी गरीबी से मुक्त करने और बच्चों को शिक्षित करने के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं, यदि समाज भी इस दिशा में सक्रिय सहयोग करे, तो हम इस लक्ष्य को और भी शीघ्रता से प्राप्त कर सकते हैं।

राज्यपाल जी ने बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए, उन्हें निरंतर पढ़ाई करते रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को अवश्य स्कूल भेजें। उन्होंने बताया कि स्कूलों में मिड–डे मील, स्कूल यूनिफॉर्म, पुस्तकें और अन्य सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए। उन्होंने विशेष रूप से माता–पिता को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें और शिक्षा को प्राथमिकता दें। शिक्षा ही वह साधन है, जो एक बच्चे को आत्मनिर्भर, जागरूक और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बना सकती है।

उन्होंने ने समय के महत्व पर भी बल देते हुए कहा कि हमें अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय को व्यर्थ न गँवाकर हमें उसे अपने जीवन को सार्थक बनाने की दिशा में लगाना चाहिए। जब हम कोई संकल्प लेकर आगे बढ़ते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। दृढ़ संकल्प, परिश्रम और समय का सही प्रयोग हमें जीवन में सफलता की ओर ले जाता है। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में अभिभावकों से अपील की कि वे नशे से दूर रहें। जो धन वे नशे पर व्यय करते हैं, उसी धन को यदि वे अपने बच्चों की शिक्षा में निवेश करें, तो न केवल उनके परिवार का भविष्य उज्ज्वल होगा, बल्कि समाज और देश भी आगे बढ़ेगा। हर मां–बाप की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें, क्योंकि शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उत्तर प्रदेश राजभवन इन बच्चों के साथ हमेशा खड़ा है और उनकी शिक्षा में हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने उपस्थित जनों को प्रेरित करते हुए कहा कि हम सभी को कमिटमेंट के साथ बच्चों की शिक्षा और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कार्य करना चाहिए, ताकि एक सशक्त, शिक्षित और उन्नत राष्ट्र का निर्माण किया जा सके। राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बहुत मेहनत और समर्पण से इन बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राजभवन के बच्चों को बैण्ड में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जो अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राजभवन में स्थित विद्यालय का जब नया भवन तैयार हो जाएगा, तो उसमें और अधिक बच्चों का प्रवेश कराया जाए। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को अधिक गंभीरता से पढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास हेतु प्रेरित करने को कहा।

राज्यपाल जी ने यह भी निर्देश दिए कि राजभवन में बनी स्केटिंग रिंग का उपयोग सुनियोजित समयबद्ध तरीके से बच्चों को सिखाने के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेलों में भी भाग लेने का अवसर अवश्य मिलना चाहिए, क्योंकि खेल–कूद से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास संतुलित रूप से होता है। पूरे शैक्षणिक सत्र के लिए एक वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाए, जिसमें यह तय किया जाए कि वर्ष भर में कौन–कौन सी गतिविधियाँ कराई जाएंगी और बच्चों को उनमें किस प्रकार भाग लेना है। उन्होंने कहा कि राजभवन का यह संपूर्ण परिसर इन बच्चों का है, जहाँ वे स्वतंत्र रूप से खेलते हैं, सीखते हैं और विविध प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न

रहते हैं। अन्य विद्यालयों में भी ऐसा ही सकारात्मक और रचनात्मक वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जहाँ बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीखने और आत्म विकास का अवसर प्राप्त हो।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि राजभवन के बच्चों और कार्मिकों के अनुभवों पर आधारित एक पुस्तक तैयार की गई है। पुस्तक में बच्चों की शिक्षा, उनके संघर्ष, उपलब्धियों तथा राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान को समाहित किया गया है। सभी को यह पुस्तक पढ़नी चाहिए क्योंकि यह न केवल प्रेरणादायी है, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में भी कार्य कर सकती है।

इस अवसर पर राजभवन में कार्यरत पी.एस.ओ. ने संकल्प लिया कि वे लखनऊ के विभिन्न स्कूलों से संपर्क स्थापित करेंगे और जो भी बच्चे आर्थिक कठिनाइयों के कारण पढ़ाई में सहयोग के पात्र होंगे, उनकी सहायता के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचित कोई भी बच्चा न रह जाए, इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर भी प्रयास करना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल, डॉ. सुधीर महादेव बोबडे जी ने बच्चों को बधाई देते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब किसी परिवार में आर्थिक कारणों से बच्चों की पढ़ाई रुक जाती है, तो वह परिवार एक तनावपूर्ण स्थिति में आ जाता है। ऐसे में राज्यपाल जी द्वारा इन बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेना एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल बच्चों के भविष्य को सँवारते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा भी तय करते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि जहाँ कहीं भी ऐसे बच्चे दिखाई दें, उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित करें और सहयोग दें। इससे समाज के साथ–साथ हमें भी आत्मिक संतुष्टि प्राप्त होती है। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में उच्च मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में विशेष सचिव श्री राज्यपाल श्री श्रीप्रकाश गुप्ता जी, विशेष कार्याधिकारी श्री राज्यपाल श्री अशोक देसाई जी, स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती ऊषा आर्या, अध्यापक/अध्यापिकाएं, बच्चे, अभिभावक, राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित अन्य उपस्थित थे।

————

सम्पर्क सूत्र
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0–9161668080

माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा कक्षा
9 में प्रवेश प्राप्त कराये गये
निर्धन एवं असहाय बच्चों को
ड्रेस व पाठ्यपुस्तक वितरण कार्यक्रम

माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा कक्षा
9 में प्रवेश प्राप्त कराये गये
ड्रेस व पाठ्यपुस्तक वितरण कार्यक्रम